Regarding need to establish a Rashtriya Makhana Vikas Board in Purnia district, Bihar-Laid

श्री राजेश रंजन **(पूर्णिया) :** मैं सरकार का ध्यान एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ । बिहार राज्य का पूर्णिया जिला, देश में 70% से अधिक मखाना उत्पादन करने वाला क्षेत्र है । मखाना उत्पादन की परंपरा, उसकी गुणवत्ता, निर्यात क्षमता और स्थानीय किसान समुदाय की जीविका पूर्णिया से प्रत्यक्ष रूप से जुड़ी हुई है । इसके बावजूद, भारत सरकार द्वारा प्रस्तावित "मखाना बोर्ड" की स्थापना हेतु दरभंगा को प्रस्तावित करना अत्यंत अन्यायपूर्ण एवं अव्यावहारिक है । पूर्णिया को पहले ही भौगोलिक संकेतक (GI Tag) प्रदान किया जा चुका है, जिससे इसकी विशिष्टता और क्षेत्रीय पहचान को मान्यता मिली है । यह क्षेत्र लंबे समय से मखाना आधारित कृषि, अनुसंधान एवं व्यापार का केन्द्र रहा है । यहां के किसानों, उत्पादकों और सहकारी समितियों ने इस क्षेत्र को राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई है । पीएमओ की ग्रिवांस सेल द्वारा दरभंगा को उचित बताना, तथ्यों और जमीनी वास्तविकताओं के विपरीत है । इस निर्णय से न केवल पूर्णिया के किसानों में आक्रोश है, बल्कि इससे एक सफल कृषि मॉडल को नजरअंदाज करने की दुर्भाग्यपूर्ण प्रवृत्ति भी उजागर होती है । अतः सरकार से आग्रह है कि पूर्णिया जिले में ही "राष्ट्रीय मखाना विकास बोर्ड" की स्थापना हो ।